

B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-III

[Classical Sanskrit Literature (Prose)]

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। प्रतिविभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दशप्रश्नानाम् उत्तरं समाधीयताम्।
(निम्नलिखित प्रश्नগুলি থেকে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় দেবনাগরী হরফে লিখতে হবে। প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।) 2×10=20

‘ক’ বিভাগঃ

‘ক’-বিভাগ

- (a) वीरशेखरः मालवराज्यं कथम् आगतवान्?
वीरशेखर मालवराज्ये केन एसेछिलेन?
- (b) एणजुघः केन कुत्र च प्रेरितः?
एणजुघः कार द्वारा कोथाय प्रेरित हयेछिलेन?
- (c) कः नाम दर्पसारः? सः कुत्र तपश्चरति?
दर्पसार के? तिनि कोथाय तपस्या करेन?
- (d) ‘दशकुमारचरितम्’—इति नामकरणस्य कः हेतुः?
‘दशकुमारचरितम्’—एइ नामकरणे कारण की?
- (e) कः आसीत् बालचन्द्रिका? तस्याः पतेः नाम किम्?
बालचन्द्रिका के छिलेन? तौर स्वामीर नाम की?

‘ख’ বিভাগঃ

‘খ’ বিভাগ

- (a) শুকনাসঃ কথং চন্দ্রাপীড়ম্ উপদিষ্টবান্?
শুকনাস কেন চন্দ্রাপীড়কে উপদেশ দিয়েছিলে।

[2]

- (b) तारापीडः कः आसीत्? तस्य पुत्रस्य नाम किम्?
तारापीड के छिलेन? तार पुत्रेन नाम की?
- (c) “अपरिणामोपशमो दारुणो लम्बीमदः”—केन प्रसङ्गेन कः एवम् उक्तवान्?
“अपरिणामोपशमो दारुणो लम्बीमदः”—के, कोन प्रसङ्गे एह उक्तिटि करेछेन?
- (d) “महतीयं खल्वनर्थपरम्परा”—अत्र उल्लिखिता अनर्थपरम्परा का?
“महतीयं खल्वनर्थपरम्परा”—एखाने उल्लिखित ‘अनर्थपरम्परा’ की?
- (e) कादम्बरीकाव्यस्य उद्देशः कः? तत्र नायिका-नायकौ कौ स्तः?
कादम्बरी काव्येन उद्देश की? एन नायक-नायिका के?

‘ग’ विभागः

‘ग’ विभाग

- (a) हितोपदेशस्य रचयिता कः आसीत्? अस्मिन् ग्रन्थे रविवारस्य नाम किम्?
हितोपदेशेन रचयिता के? एह ग्रन्थे रविवारेन अन्य नाम कि?
- (b) दण्डिनः रचनाविषये प्रशंसार्हा उक्तिः का?
दण्डिन रचनाविषये प्रशंसार्थोपयोग्य उक्तिटि की?
- (c) उत्कलिकाप्रायगद्यं किम्?
उत्कलिकाप्राय गद्य की?
- (d) गल्लसाहित्यस्य सृष्टेः किं कारणम्?
गल्लसाहित्य सृष्टिरेन कारण की?
- (e) हितोपदेशस्य कथम् इयं संज्ञा? तत्र कति अध्यायाः?
हितोपदेशेन एरूप संज्ञाएन कारण की? एन कतगुलि अध्याय ?
2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु द्वयं संस्कृतभाषया समाधेयम्।
निम्नलिखित प्रश्नसमूहेन मध्ये यैकोन चारटि प्रश्नेर उतरेन दाओ। तन्मध्ये दुटिरे उतरे संस्कृतभाषाय दाओ।

5×4=20

- (a) वङ्गभाषया अनुवादः क्रियताम्
बांग्ला भाषाय अनुवाद करो।

श्रुत्वा तु भुवनवृत्तान्तमुत्तमाङ्गना विस्मयविकाशितान्की सस्मितमिदमभाषत-“दयित! त्वत्प्रसादादय मे चरितार्था

[3]

শ্রোত্রবৃত্তিঃ। অদ্য মে মনসি তমোপহস্তয়া দত্তো জ্ঞানপ্রদীপঃ। পৰ্ব্বমিদানীং ত্বৎপাদপদ্মপরিচর্যাফলম্। অস্য চ ত্বৎ-
প্রসাদস্য কিমুপকৃত্য প্রত্যুপকৃতবতী ভবেয়ম্”।

- (b) অধস্তাৎ কস্যচিদেকস্য সংক্ষিপ্তা টিপ্পনী বিধেয়া
নীচের যেকোন একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখঃ।
বাসবদত্তা, পঞ্চতন্ত্র, সিংহাসনদ্বাত্রিংশিকা।

- (c) ‘স্মর তস্যাঃ হংসগামিনি! হংসকথায়াঃ’
‘হংসকথা’ কা ভবতি?
‘হংসকথা’ কী ছিল?

- (d) বঙ্গভাষয়া অনুবাদঃ ক্রিয়তাম্।
বাংলাভাষায় অনুবাদ করো।

নবযৌবনকষায়িতান্নশচ সলিলানীব তান্যেব বিষয়স্বরূপাণ্যাস্বাদ্যমানানি মধুরতরাণ্যাপতন্তি মনসঃ। নাশয়তি চ
দিগ্‌মোহ ইবোন্মার্গপ্রবর্তকঃ পুরুষমত্যাঙ্গো বিষয়েষু। ভবাদৃশা এব ভবন্তি ভাজনান্যুপদেশানাম্। অপগতমলে হি
মনসি স্ফটিকমণাবিবরজনিকরগভস্তয়ো বিশস্তি সুখনোপদেশগুণাঃ।

- (e) সপ্রসঙ্গং সরলসংস্কৃতভাষয়া ব্যাখ্যায়তাম্।
সপ্রসঙ্গ সরল সংস্কৃতভাষায় ব্যাখ্যা লেখ।
সততমমূলমন্ত্রশাম্যা বিষমো বিষয়বিষাস্বাদমোহঃ’

- (f) “অতিপরিত্রাসবিহুলা মুক্তকণ্ঠমাচক্রন্দ রাজকন্যা”
—রাজকন্যা কা আসীৎ? কথং সা আচক্রন্দ?
রাজকন্যাটি কে? কেন তিনি ক্রন্দন করেছিলেন?

- (g) ‘অনুজ্জিতধবলাপি সরাগৈব ভবতি যুনাং দৃষ্টিঃ’
উক্তেঃ তাৎপর্যং কিম্?
উক্তিটির তাৎপর্য কি?

3. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু যথোচ্ছং প্রশ্নদ্বয়ং লিখ্যতাম্।

10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর মধ্যে যেকোন দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

- (a) শুকনাসোপদেশমনুসৃত্য সৌভাগ্যদেব্যাঃ লক্ষ্ম্যাঃ চরিত্রং নিরূপ্যতাম্।
শুকনাসোপদেশ অনুসরণে সৌভাগ্যদেবী লক্ষ্মীর চরিত্র নিরূপণ কর।

- (b) 'हर्षचरितम्', 'पुरुषपरीक्षा'—द्वयोः ग्रन्थयोः विषये आलोच्यताम्।
'हर्षचरितम्', 'पुरुषपरीक्षा'—ग्रन्थ दुটির विषये आलोचना करो।
- (c) 'राजवाहनचरितम्' इति आख्याने राजवाहनस्य चरितं वर्णयताम्।
'राजवाहनचरितम्' এই আখ্যানে राजवाहনের चरित्र वर्णना करो।
- (d) बाणभट्टस्य रचनाशैली आलोच्यताम्।
बाणभट्टेर रचनाशैली आलोचना करो।
-